

## झलकियाँ...

डॉ. निर्मला दीदी ने किया 'मम्मा ध्यान कक्ष' का अनावरण

हिम्मतनगर-मोडासा हाईवे पर उजेडीया गांव में निर्माणाधीन है यह 'रिट्रीट सेंटर'

सरला दीदी का संकल्प था 'मम्मा ध्यान कक्ष'

लोकार्पण में सजाया गया 8 फीट ऊँचा 'शिवलिंग'

जीजीआरसी की 'वेबसाइट' की हुई लॉन्चिंग [www.ggrc.co.in](http://www.ggrc.co.in)

ऑक्सीजन सुविधा से लैस 'एम्बुलेन्स' का हुआ उद्घाटन

6 जून

राजयोगिनी सरला दीदी के द्वितीय 'स्मृति दिवस' पर...

## जी.जी.आर.सी. में 'मम्मा ध्यान कक्ष' का लोकार्पण

हिम्मतनगर-मोडासा(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज गुजरात जोन की पूर्व निदेशिका राजयोगिनी सरला दीदी के द्वितीय स्मृति दिवस पर मुख्यालय माउण्ट आबू से राजयोगिनी डॉ. निर्मला दीदी,संयुक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज ने रिमोट कंट्रोल के द्वारा नवनिर्मित 'गुजरात ग्लोबल रिट्रीट सेंटर' के परिसर में 'मम्मा ध्यान कक्ष' का उद्घाटन किया। उन्होंने सरला दीदी को श्रद्धांजलि देते एवं मम्मा के साथ के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि मैं मम्मा की वाणी सुनकर ज्ञान में आई। तब मैं मुम्बई में थी और मम्मा मुम्बई और पुणे में बहुत आती थीं। दीदी ने बधाई देते हुए कहा कि आप सभी ने मम्मा का कमरा गुजरात में बनाया, जो सारी दुनिया में सबसे पहला मम्मा का कमरा है। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को भी उज्ज्वल बनायेंगे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए ब्र.कु. उषा बहन,राजयोग भवन सेवाकेन्द्र संचालिका

ने कहा कि बापदादा को साथ रखकर हम सभी ने इस भूमि पर कदम रखा है। मम्मा का कमरा निर्माण करने में सबकी सद्भावना जुड़ी हुई है। मणीनगर सबजोन

हमेशा से संकल्प था मम्मा का एक कमरा बनाना, जिसे हम साकार होते देख रहे हैं। गांधीनगर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कैलाश दीदी ने सरला दीदी को श्रद्धा

दीदी ने भी सरला दीदी के साथ का अपना अनुभव साझा किया। जीजीआरसी डायरेक्टर डॉ. मुकेश ने प्रोजेक्ट से जुड़ी योजनाओं और इन्द्रप्रस्थ की रूपरेखा सभी के समक्ष रखी। ब्र.कु. अमर बहन, ब्र.कु. विनय आदि ने सरला दीदी एवं



संचालिका ब्र.कु. नेहा बहन ने बताया कि सरला दीदी 16 साल की उम्र में मुम्बई से गुजरात आयीं तब यहाँ लगभग तीन सेवाकेन्द्र थे और जब वे हमें छोड़कर अव्यक्त हुईं तब गुजरात में 450 से अधिक सेवाकेन्द्र हो चुके थे। दीदी का

सुमन अर्पित करते व जीजीआरसी के विकास के लिए शुभकामनायें देते हुए कहा कि दीदी ने हमेशा हमें नये-नये कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया व आत्मा की उन्नति के लिए प्रेरित करती रहीं। सिधपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विजया

संस्थान की मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी, अति. मुख्य सचिव ब्र.कु. वृजमोहन व गुजरात जोन की संचालिका ब्र.कु. भारती दीदी ने आदरणीय सरला दीदी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

मम्मा के प्रति अपने भाव प्रकट किये। ब्र.कु. नंदिनी ने इंटरनेट द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बात की तथा ब्र.कु. जिज्ञासा के साथ कार्यक्रम का संचालन किया। इसके साथ ही ब्र.कु. डॉ. दामिनी ने हृदयस्पर्शी गीतों के माध्यम से सरला दीदी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

## रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है योग

झोझूकलां-कादमा(हरियाणा)। योग और राजयोग से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इन क्रियाओं से मनुष्य आशावादी बनता है और उसमें

आयोजित 'योग युक्त बनो रोग मुक्त बनो' विषय पर क्षेत्रीय प्रभारी ब्र.कु. वसुधा ने कही। आगे उन्होंने कहा कि योग और राजयोग, शरीर और आत्मा दोनों को स्वस्थ रखने का एक मात्र उपाय है। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में पाँच दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी बाढड़ा जलधीर सिंह कलकल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कादमा की मेडिकल ऑफिसर डॉ. मिस्वाह, बिशन सिंह आर्य, ब्र.कु. वसुधा तथा प्राचार्य हरिकिशन राणा ने किया। इस अवसर पर बतौर मुख्य



आध्यात्मिकता का विकास होता है। यह विकास किसी भी बीमारी को हराने के लिए रामबाण है। यह बात अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में झोझू-कादमा शाखा के तत्वावधान में कादमा सेवाकेंद्र पर

अतिथि जलधीर सिंह कलकल ने कहा कि योग हमें मानसिक, शारीरिक, सामाजिक व आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है। डॉ. मिस्वाह ने बतौर विशिष्ट अतिथि कई जरूरी स्वास्थ्य टिप्स दिए।

## खुश रहने के लिए आध्यात्मिकता बहुत जरूरी

अम्बिकापुर-छ.ग.। सरोज गायकवाड़ के नवनिर्मित सम्यक भवन स्काई गार्डन रेस्टोरेट,मैनपाट में आयोजित आध्यात्मिक सभा में जेल अधीक्षक राजेन्द्र गायकवाड़ व सरोज गायकवाड़ के अलावा स्थानीय उपासक गण उपस्थित रहे। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या दीदी ने कहा कि वर्तमान समय जहाँ भय और तनाव का वातावरण है, ऐसे में स्वयं को खुश रखने के लिए आध्यात्मिकता बहुत जरूरी है, क्योंकि हम परिस्थिति को तो ठीक नहीं कर सकते, किन्तु राजयोग के द्वारा स्वयं को पहचान कर, पिता



परमात्मा से सम्बंध जोड़ने से हमारे अंदर अदभुत शक्तियाँ जागृत होती हैं और परिस्थितियों का हम इन शक्तियों के द्वारा सामना कर सकते हैं तथा हर परिस्थिति में स्वयं को खुश रख सकते हैं। अम्बिकापुर सेंट्रल जेल अधीक्षक राजेन्द्र गायकवाड़ ने कहा कि स्वयं को

शांत रखने के लिए आध्यात्मिकता बहुत जरूरी है। मेरे भी मन में तनाव था लेकिन थोड़ी देर ही आध्यात्मिक बातों को सुनकर मेरा मन भी शांत हो गया और जब हम कोई भी कार्य परमात्मा को सौंपकर करते हैं तो हर कार्य हमारे लिये सरल हो जाता है।

## आत्मिक इम्युनिटी पावर से बढ़ती शारीरिक इम्युनिटी

नई दिल्ली-लोधी रोड। आत्मबल-आत्म संयम-आत्म संकल्प 'द इम्यून सिस्टम ऑफ द सोल' विषय पर आयोजित 50वीं स्वर्णिम ऑनलाइन संगोष्ठी में राजयोगिनी जयंती दीदी,निदेशिका,ब्रह्माकुमारीज, लंदन,यूरोप ने कहा कि जब आत्मा की इम्युनिटी मजबूत होती है तो शरीर की इम्युनिटी में भी वृद्धि होती है। जब

मनुष्य की भविष्य के प्रति उम्मीद कम हो जाती है तो इम्युनिटी भी कम हो जाती है। जब आत्मा की इम्युनिटी कम होती है तो उसका मन पर भी असर होना लाजिमी है। आत्मा की मजबूत इम्युनिटी का अर्थ है कि आत्मा बिल्कुल निडर हो। दुर्गा शंकर मिश्र,आई.ए. एस.,सचिव, भारत सरकार, आवासन एवं शहरी विकास

उम्मीद कम तो इम्युनिटी कम - ब्र.कु. जयंती जीतता वही.. जो सोचता कि वह जीतेगा - मिश्र

मंत्रालय,नई दिल्ली ने वैश्विक महामारी के दौर में सामज में सकारात्मकता बनाए रखने हेतु ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित अनेक वेबिनार की सराहना करते हुए कहा कि जीतता वही है जो सोचता है कि वह जीतेगा। इसलिए कठिन से कठिन हाल में भी हमें अपने जीतने के जज्बे को नहीं छोड़ना चाहिए। प्रेरक वक्ता एवं लाइफ कोच ब्र.कु. पीयूष ने कहा कि छोटे बच्चे आत्मा के गुणों के बहुत निकट होते हैं इसलिए वे सभी को प्यारे लगते हैं। लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते, हमारे अंदर देहभान

बढ़ता जाता और हम अपने आत्मिक गुणों से दूर होते चले जाते। हम इम्युनिटी को बढ़ाने की जब बात करते हैं तो इसका भावार्थ है कि हम स्व चिंतन, परमात्म चिंतन और सकारात्मक चिंतन करें। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. गिरिजा दीदी ने कहा कि हमारा शरीर तभी स्वस्थ रह सकता है जब हमारी आत्मा 'मन, बुद्धि एवं संस्कार' मजबूत होगी। आत्मा की इम्युनिटी के लिए 'आत्मबल, आत्म संयम व आत्म संकल्प' की अवधारणा को गहराई से समझने की जरूरत है।



## स्नेह से सम्पन्न 'स्नेह मिलन'

रशिया-सेंट पीटर्सबर्ग। मई-जून मास, जो रशिया के साथ-साथ पूरे विश्व के लिए एक महत्वपूर्ण मास है। इसके अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज द्वारा एक सुंदर और अलौकिक 'स्नेह मिलन कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एंटन पोलयांस्की,डिप्टी चेयरपर्सन ऑफ वायबोर्गस्की डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ सेंट पीटर्सबर्ग तथा



प्रो. एलेक्जेंडर शैब्रोव,मेम्बर ऑफ द रशियन एकेडमी ऑफ साइंसेज एंड ए लीडिंग कार्डियोलॉजिस्ट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर ब्र.कु. संतोष दीदी,सेंट पीटर्सबर्ग सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ने दादी की याद में बने 'पोस्टल स्टाम्प' सहित अन्य चित्रों की सुंदर, सुसज्जित एलबम सबके समक्ष रखी। सेंट पीटर्सबर्ग में दादी जानकी के आगमन की यादों को ताजा कर देने वाली एक विडियो फिल्म 'द इटरनल शाइन ऑफ काइंडनेस' सभी को दिखाई गई। इसके साथ ही एक न्यू कुक बुक 'द गोल्डन स्पून' का भी विमोचन किया गया जो दादी के आत्मा के साथ-साथ शरीर की बैलेंसिंग को भी दर्शाता है। यह बुक दादी जानकी के प्रथम स्मृति दिवस पर उन्हें समर्पित किया गया तथा सामूहिक राजयोग मेडिटेशन किया गया। सभी ने अपने माउण्ट आबू दौरे की अविस्मरणीय यादों का अनुभव साझा किया।